डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक मंथन दृष्टि

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

अमृत वचन

अगर आप चाहते हैं कि किसी को मालूम न पड़े, तो ऐसा काम ही न करें।

-लोकोक्ति

'काम मिलेगा पर...' जब सुपरस्टार ने एक्ट्रेस ईशा शरवानी के सामने रखी..... पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 49 भोपाल: बुधवार, 19 दिसम्बर 2024 से 25 दिसम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

संसद का शीत कालीन सत्र संसद परिसर में सांसदों ने ही तार-तार की संसदीय गरिमा, सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक दूसरे पर अपने सांसदों को धक्का देने का आरोप लगाया

हंगामे की भेंट चढ़ गया संसद का शीतकालीन सत्र, डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नाम पर संसद परिसर में पक्ष-विपक्ष के सांसदों की भिड़ंत

संविधान अंगीकार होने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दोनों सदनों में दो-दो दिन की चर्चा हुई तथा 'एक देश, एक चुनाव' बिल आया, जो संसद की संयुक्त समिति के पास भेज दिया गया

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार रहा और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाई। अडानी समूह, संभल हिंसा, मणिपुर हिंसा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले और बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान जैसे मुद्दे छाए रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यहां तक की धक्का-मुक्की और एफआईआर की नौबत भी आ गई। 18वीं लोकसभा का यह तीसरा सत्र ज्यादातर हंगामे की भेंट चढ़ गया। 26 दिनों में सिर्फ 20 बैठकें हुईं और केवल 62 घंटे ही काम हुआ। सत्र की उत्पादकता लगभग 57.87 प्रतिशत रही।

39 सदस्यीय कमिटी बनी: इस दौरान जहां संविधान अंगीकार होने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद के दोनों सदनों में दो-दो दिन की चर्चा हुई तो वहीं लोकसभा में संविधान के 127वें संशोधन के तौर पर 'एक देश, एक चुनाव' बिल आया, जो संसद की संयुक्त समिति के पास भेज दिया गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस बिल पर चर्चा और मंथन करने के लिए 39 सदस्यीय कमिटी का गठन किया, जिसमें लोकसभा के 27 और राज्यसभा से 12 सदस्यों को शामिल किया गया है।

कई विधेयक पारित: लोकसभा ने साल 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के पहले बैच और उससे संबंधित विनियोग (संख्यांक-3) बिल 2024 को मंजूरी दी। सत्र के दौरान लोकसभा में 'रेल (संशोधन) विधेयक 2024', 'बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक 2024', 'आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024' पारित किए गए गए। सरकार ने इस सत्र में लोकसभा में वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक 2024 पेश किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसरों का विस्तार करने, जहाजों के स्वामित्व के लिए पात्रता मापदंड बढ़ाने और भारतीय टन भार में बढ़ोतरी के लिए प्रावधान हैं। सदन में प्रियंका गांधी समेत दो सदस्यों ने शपथ ली। इस तरह सत्र के दौरान लोकसभा में पांच सरकारी बिल पेश किए गए और चार बिल पास किए गए। शून्य काल के दौरान अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए और नियम 377 के अंतर्गत 397 मामले उठाए गए। 21 दिसम्बर को खत्म हुआ यह सत्र 25 नवंबर से शुरू हुआ था।

सदन में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग

यह सत्र इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि संसद की नई इमारत में 129वें संशोधन बिल के लोकसभा में आने को लेकर सदन में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग हुई। सत्र के अंतिम दिन अपने समापन भाषण में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। संसद के किसी भी द्वार पर धरना, प्रदर्शन करना उचित नहीं है। अगर इसका उल्लंघन होता है तो संसद को अपनी मर्यादा और गरिमा बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई करने का अधिकार है। बिरला ने सभी सदस्यों से हर हाल में सदन के नियमों को अनुपालन सुनिश्चित करने की भी बात कही।

धनखड़ की अपील, विमर्श की पवित्रता बनाए रखें

राज्यसभा में संसद के शीत सत्र के दौरान विधायी कामकाज और चर्चा केवल 43 घंटे 27 मिनट तक हो सकी और इस तरह उत्पादकता बमुश्किल 40 प्रतिशत रही, जिसमें से केवल 43 घंटे और 27 मिनट ही प्रभावी कामकाज हुआ। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने 21 दिसम्बर को सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कामकाज कम होने पर निराशा जताई और कहा कि सार्थक चर्चा और कामकाज में बाधा डालने के बीच किसे चुना जाना चाहिए, इस पर उच्च सदन के सदस्यों को मंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक विरासत की मांग है कि हम राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठें और संसदीय विमर्श की पवित्रता को बनाए रखें। उनका कहना था कि ऐतिहासिक संविधान सदन में संविधान दिवस मनाने का हमारा उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि करना था। सभापति ने सदन के कामकाज को लेकर अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा कि भारत की जनता हम सांसदों की कड़ी आलोचना कर रही है और यह सही भी है। -शेष पृष्ठ 2 पर

राहुल गांधी पर एफआईआर के बाद अखिलेश यादव ने स्पीकर से की मुलाकात, कहा- विवाद को सुलझाना चाहिए

सपा चीफ ने कहा कि बीजेपी का एक बहुत सोचा समझा मॉडल है। वह पहले असंवैधानिक और गैरकानूनी काम करते हैं। अगर आप विरोध करने आते हैं। तो शासन और प्रशासन से आपके खिलाफ कार्रवाई कराते हैं। बाबा साहेब न सिर्फ समाजवादियों बल्कि सभी के लिए वह पूजनीय हैं। इस तरह की भाषा गलत और अमित शाह माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी पर एफआईआर के मामले पर अखिलेश ने कहा कि मैंने इसको लेकर स्पीकर से मुलाकात की। संसद परिसर में स्पीकर सुप्रीम होता है। अब सोचिए आप बीजेपी के लोग स्पीकर के ऊपर भी चले गए। यह लोकसभा का परिसर है। हम स्पीकर के पास बैठक मुद्दे को सुलझा सकते हैं।

राहुल गांधी की नीली टीशर्ट से बसपा चीफ मायावती नाराज? नेता प्रतिपक्ष को दी ये सलाह

बसपा चीफ ने राहुल द्वारा नीली टीशर्ट पहनने को सस्ती राजनीति बताया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने लिखा- संविधान का जगह-जगह लहराना व नीला रंग पहनना आदि दिखावे की सस्ती राजनीति है। यह सब करने के पहले सत्ता व विपक्ष दोनों को अपने दिल में पड़े संकीर्णता, जातिवाद एवं द्वेष आदि के कालेपन को साफ करके पाक-साफ करना होगा तभी इन वर्गों का व देश का भी सही हित संभव है। पूर्व सांसद ने लिखा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के प्रति दिल से सम्मान नहीं करना व उनके अनुयाइयों के विरुद्ध अन्याय-अत्याचार तथा इनको संवैधानिक व कानूनी हक देने के बजाय छीनने में भी यह पार्टियाँ एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। इसको लेकर सत्ता व विपक्ष के बीच जारी तकरार केवल वोट के स्वार्थ की राजनीति है।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 — म.प्र. सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल — विरासत के साथ विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के संकल्प...
पृष्ठ 3 — धर्म और आध्यात्म — मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी कपिल मुनि के आश्रम...
पृष्ठ 4 — किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन — जैविक खेती करने की ठान कर अच्छी उपज प्राप्त करने के...
पृष्ठ 5 — कृषि मंथन — पशु किसान के साथी, पशुपालन कृषि का पूरक...
पृष्ठ 6 — देश-विदेश — क्या 'इंडिया' ब्लॉक रोक सकता है वन नेशन वन इलेक्शन का...
पृष्ठ 7 — अनोखी खबरें — दुनिया का सबसे बड़ा गिरजा घर...
पृष्ठ 8 — ख़ास साप्ताहिक फोटो — कटारमल सूर्य मन्दिर भारतवर्ष का प्राचीनतम...

अंबेडकर मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने धारण किया नया रूप, नीली टी-शर्ट में राहुल गांधी तो नीली साड़ी में संसद पहुंची प्रियंका गांधी

भीमराव अंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान से देश में राजनीति गरम है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर गृह मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रही है। इसे लेकर कांग्रेस ने 19 दिसंबर को देश में अमित शाह और बीजेप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इस बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्षा राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी समेत कई कांग्रेस नेता नीले कपड़े में संसद पहुंचे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी नीली टी-शर्ट तो प्रियंका गांधी निली साड़ी में संसद पहुंची। आमतौर पर बहुजन आंदोलन के जुड़े लोग नीले रंग का इस्तेमाल अपने झंडे और अन्य चीजों में संकेत के रूप में करते हैं। ऐसे में अंबेडकर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस बड़ा राजनीतिक संकेत देने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राजद, वाम दलों और शिवसेना (यूबीटी) सहित लगभग सभी विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को संसद के दोनों सदनों में 18 दिसंबर को जोरदार ढंग से उठाया, जिसके कारण कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यह मुद्दा इतना बढ़ गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह का बचाव करते हुए विपक्ष खासकर कांग्रेस पर जवाबी हमला बोला। पीएम ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के काले इतिहास की पोल खोल दी। इसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यदि अमित शाह इस्तीफा नहीं देते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनका बचाव करने के बजाय आज रात 12 बजे तक उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश संविधान निर्माता का अपमान सहन नहीं करेगा तथा गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि भाजपा संविधान और बाबासाहेब द्वारा किए गए काम को खत्म करना चाहती है।

बशर अल असद ने भागने से पहले इजरायल को दी सीक्रेट जानकारी, जान बचाने के लिए दुश्मन देश के साथ मिलाया हाथ

सीरिया की राजधानी में जब विद्रोहियों ने धावा बोलो तो मौका देखकर राष्ट्रपति बशर अल असद देश छोड़कर भाग गए। उनके भागने को लेकर अब एक बड़ा दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बशर अल असद ने सुरक्षित रूप से देश से सुरक्षित निकलने के बदले सैन्य जानकारी दुश्मन देश इजरायल को सौंपी थी। कहा जा रहा है कि उन्होंने हथियार डिपो की जानकारी इजरायल को दी, जिसका इस्तेमाल अब इजरायल उनके ऊपर बम गिराने के लिए कर रहा है। तुर्की के अखबार हुर्रियत के चर्चित पत्रकार अब्दुलकादिर सेलवी ने बताया कि एक भरोसेमंद स्रोत ने उन्हें बताया कि असद ने हथियार डिपो, मिसाइल सिस्टम और लड़ाकू विमानों के स्थान की जानकारी इजरायल को सौंपी थी, ताकि उड़ान के दौरान इजरायल उन पर हमला न करे। असद की सरकार के पतन के तुरंत बाद इजरायल ने सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले करने शुरू कर दिया। सेल्वी ने इससे निष्कर्ष निकाला कि इस रिपोर्ट के सच होने की संभावना है।

सेलवी ने यह भी कहा कि असद के भागने में इजरायल की भूमिका से जुड़े और भी कई पहलू हैं, लेकिन उन्होंने इससे जुड़ी डिटेल नहीं दी। सीरिया में विद्रोही सेनाओं ने नवंबर के अंत में विद्रोह शुरू कर दिया और कुछ ही दिनों में दमिश्क पर कब्जा कर लिया। असद गुपचुप तरीके से रूस भाग गए हैं, जहां राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें शरण दी है। तब से इजरायल कई बार उन ठिकानों पर हमला कर चुकी है, जिसे हथियार डिपो माना जाता है।

चीन ने बढ़ाई भारत और अमेरिका की चिंता, परमाणु बमों की संख्या 600 पार, 2030 तक के आंकड़े चौंकाने वाले

न्यूज डेस्क। अमेरिका के रक्षा विभाग ने चीन की सैन्य ताकत को लेकर अपनी सालाना रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में काफी हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है। यह जानकारी न सिर्फ अमेरिका बल्कि पड़ोसी मुल्क भारत की चिंता भी बढ़ाने वाली है। दरअसल, अमेरिकी रक्षा विभाग ने चीनी जनवादी गणराज्य से जुड़े सैन्य और सुरक्षा विकास रिपोर्ट में बताया है कि चीन तेजी से अपने परमाणु बमों के भंडार को बढ़ा रहा है। उसने 2020 की तुलना में अपने परमाणु हथियारों के भंडार को लगभग तीन गुना बढ़ा दिया है। यह जानकारी भारत और अमेरिका के लिए चिंता का विषय है।

अमेरिका रक्षा विभाग ने 8 दिसंबर को जारी अपनी इस रिपोर्ट में कहा है कि साल 2024 के मध्य तक चीन के परमाणु बमों की संख्या 600 को पार कर गई है, जबकि 2030 के अंत तक चीन के पास 1000 से ज्यादा परमाणु बम होंगे। इनमें से कई को पूरी तरह से तैनाती के मोड पर रखे जाने की योजना है।

✓ हमारा ''मंथन दृष्टि'' साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए नि:शुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।